



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्प्रचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नैनक भूमि	२५-१-२५	९	१-६

हक्कुवि को मिली अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रयोगशाला

सीएम ने किया वर्चुअल उद्घाटन | प्रति वर्ष तैयार होंगे बीमारी रहित 20 लाख पौधे

हिसार, 24 जनवरी (दृग)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय में सेंटर फार माइक्रोप्रोपोगेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की अंतर्राष्ट्रीय स्तर की अत्याधुनिक प्रयोगशाला का उद्घाटन मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने वर्चुअल माध्यम से किया। विश्वविद्यालय में मुख्यातिथि के रूप में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर.काम्बोज ने अध्यक्षता की।

हरियाणा के डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि इस विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रयोगशाला का स्थापित होना सौभाग्य की बात है और उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया। उन्होंने बताया कि इस प्रयोगशाला से



हिसार स्थित हक्कुवि में बुधवार को अत्याधुनिक प्रयोगशाला का उद्घाटन करते डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा व अन्य। -हप्र

किसानों को सीधे रूप से फायदा होगा, जहां से तैयार किए पौधे हरियाणा ही नहीं अपितु उत्तर भारत के किसानों को उपलब्ध करवाएं जा सकेंगे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि यह प्रयोगशाला लगभग 6 करोड़ रुपये में तैयार किया गया है।

इस प्रयोगशाला में टिशू कल्चर विधि से विभिन्न पौधे तैयार करने की विधियां विकसित की गई हैं, जहां लगभग 20 लाख उच्च गुणवत्ता, बीमारी रहित एवं आनुवांशिक रूप से एक जैसे पौधे प्रति वर्ष तैयार किए जा सकेंगे। उन्होंने बताया कि इस प्रयोगशाला में गन्ना, केला, ब्रह्मी,

2.5 एकड़ में फैली प्रयोगशाला

बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. सुधीर शर्मा ने कहा कि यह प्रयोगशाला 2.5 एकड़ में फैली हुई है, जोकि तीन भागों में विभाजित है। पहला भाग प्रयोगशाला है, जोकि 6500 स्कवेयर फुट में स्थापित है, जिसमें पौधे परखनलियों में प्रयोगशाला में नियंत्रित तापमान एवं प्रकाश के अंदर विकसित किए जाते हैं। दूसरा भाग ग्रीन हाउस है, जोकि 1041 स्कवेयर फुट में बना हुआ है।

एलोविरा, औषधीय पौधे एवं अन्य कृषि उपयोगी पौधे तैयार कर किसानों को उपलब्ध करवाया जाएगा। भविष्य में भी हमारी कोशिश यह रहेगी कि हम ज्यादा से ज्यादा पौधे तैयार कर किसानों को उपलब्ध करवा सकें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्मुचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
टीआर भूमि	२५-१-२५	९	६-८

सीएम ने किया एचएयू में सेंटर फार माइक्रोप्रोप्रोग्रेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की प्रयोगशाला का उद्घाटन

- प्रयोगशाला में उच्च गुणवत्ता के बीमारी रहित 20 लाख पौधे प्रति वर्ष किए जा सकेंगे तैयार

हारियाणा न्यूज || हिसार



हिसार। सेंटर फार माइक्रोप्रोप्रोग्रेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की अंतरराष्ट्रीय स्तर की अत्यधिक प्रयोगशाला का उद्घाटन करते मुख्य अतिथि एवं डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा। फोटो: हरेभूमि

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय में सेंटर फार माइक्रोप्रोप्रोग्रेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की अंतरराष्ट्रीय स्तर की अत्यधिक प्रयोगशाला का उद्घाटन बुधवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने वर्धुअल माध्यम से किया। विश्वविद्यालय में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा रहे व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने अध्यक्षता की। डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि इस विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रयोगशाला का स्थापित होना सौभाग्य की बात है और उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया। इस प्रयोगशाला से किसानों को सीधे रूप से फायदा होगा, जहां से तैयार किए गए हरियाणा ही नहीं अपितु उत्तर भारत के किसानों को उपलब्ध करवाए जा सकेंगे। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे किसानों के लिए शोध कर कृषि क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कहा कि इस प्रयोगशाला का कृषि क्षेत्र में बहुत योगदान

रहेगा। यह प्रयोगशाला लगभग छह करोड़ रुपये में तैयार किया गया है। इस प्रयोगशाला में टिशु कल्चर विधि से विभिन्न पौधे तैयार करने की विधियां विकसित की गई हैं, जहां लगभग 20 लाख उच्च गुणवत्ता, बीमारी रहित एवं आनुवांशिक रूप से एक जैसे पौधे प्रति वर्ष तैयार किए जा सकेंगे। इस प्रयोगशाला में गन्ना, केला, बट्टी, एलोविरा, औषधीय पौधे एवं अन्य कृषि उपयोगी पौधे तैयार कर किसानों को उपलब्ध करवाया जाएगा। भविष्य में भी हमारी कोशिश यह रहेगी कि हम ज्यादा से ज्यादा पौधे तैयार कर किसानों को उपलब्ध करवा सकें।

बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. सुधीर शर्मा ने कहा कि यह

प्रयोगशाला 2.5 एकड़ में फैली हुई है, जोकि तीन भागों में विभाजित है। पहला भाग प्रयोगशाला है, जोकि 6500 स्कवेयर फीट में स्थापित है, जिसमें पौधे परखनलियों में प्रयोगशाला में नियंत्रित तापमान एवं प्रकाश के अंदर विकसित किए जाते हैं। दूसरा भाग ग्रीन हाउस है, जोकि 1041 स्कवेयर फीट में बना हुआ है। जहां पर पौधों को नियंत्रित तापमान एवं आंद्रता में विकसित किया जाता है। इस ग्रीन हाउस में टिशु कल्चर विधि का इस्तेमाल कर 5 लाख पौधे को रखने की क्षमता होगी। उन्होंने बताया कि तीसरा भाग नेट हाउस है, जोकि एक एकड़ में बना हुआ है, जिसमें पौधों को रखकर किसानों को उपलब्ध करवाए जाएंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्मेलन पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ट्रैनिंग जागरूकता	२५-१-२५	२	२-६

हक्कि में सेंटर फार माइक्रोप्रोपोजेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की प्रयोगशाला का उद्घाटन

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय में सेंटर फार माइक्रोप्रोपोजेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की अंतरराष्ट्रीय स्तर की अत्यधुनिक प्रयोगशाला का उद्घाटन हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने वर्चुअल माध्यम से किया। विश्वविद्यालय में मुख्यातिथि के रूप में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा रहे व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने अध्यक्षता की।

हरियाणा के डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि इस विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रयोगशाला का स्थापित होना



हक्कि में सेंटर फार माइक्रोप्रोपोजेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की अंतर्राष्ट्रीय स्तर की अत्यधुनिक प्रयोगशाला का उद्घाटन करते मुख्यातिथि हरियाणा के डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा सहित अन्य। ● पीआरओ

सौभाग्य की बात है और उन्होंने किए पौधे हरियाणा ही नहीं अपितु इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार उत्तर भारत के किसानों को उपलब्ध प्रकट किया। उन्होंने बताया कि इस करवाएं जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि प्रयोगशाला से किसानों को सीधे वे किसानों के हित में शोध कर कृषि रूप से फायदा होगा, जहां से तैयार क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका

निभा रहे हैं। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि इस प्रयोगशाला का कृषि क्षेत्र में बहुत योगदान रहेगा। उन्होंने बताया कि यह प्रयोगशाला लगभग 6 करोड़ रुपये में तैयार किया गया है। इस प्रयोगशाला में टिशू कल्चर विधि से विभिन्न पौधे तैयार करने की विधियां विकसित की गई हैं, जहां लगभग 20 लाख उच्च गुणवत्ता, बीमारी रहित एवं आनुवांशिक रूप से एक जैसे पौधे प्रति वर्ष तैयार किए जा सकेंगे। उन्होंने बताया कि इस प्रयोगशाला में गना, केला, ब्रह्मी, एलोविरा, औषधीय पौधे एवं अन्य कृषि उपयोगी पौधे तैयार कर किसानों को उपलब्ध करवाया जाएगा। भविष्य में भी हमारी कोशिश यह रहेगी कि

हम ज्यादा से ज्यादा पौधे तैयार कर किसानों को उपलब्ध करवा सकें। बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. सुधीर शर्मा ने कहा कि यह प्रयोगशाला 2.5 एकड़ में फैली हुई है, जोकि तीन भागों में विभाजित है। पहला भाग प्रयोगशाला है, जोकि 6500 स्कवेयर फीट में स्थापित है, जिसमें पौधे परखनलियों में प्रयोगशाला में नियंत्रित तापमान एवं प्रकाश के अंदर विकसित किए जाते हैं। दूसरा भाग ग्रीन हाउस है, जोकि 1041 स्कवेयर फीट में बना हुआ है। जहां पर पौधों को नियंत्रित तापमान एवं आर्द्धता में विकसित किया जाता है। इस ग्रीन हाउस में टिशू कल्चर विधि का इस्तेमाल कर 5 लाख पौधे को रखने की क्षमता होगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्पादक पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ईनिक भास्कर	२५. १. २४	५	५-६

इधर... एचएयू की लैब में हर साल तैयार होंगे 20 लाख पौधे, किसानों को मिलेंगे

हिसार। एचएयू के बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय में सेंटर फार माइक्रोप्रोपोगेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की अंतर्राष्ट्रीय स्तर की अत्याधुनिक प्रयोगशाला का उद्घाटन मुख्यमंत्री भनोहर लाल ने वर्चुअल माध्यम से किया। विवि में मुख्यातिथि के रूप में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा रहे व एचएयू कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने अध्यक्षता की।

बीसी प्रो. काम्बोज ने कहा कि यह प्रयोगशाला लगभग 6 करोड़ रुपए में तैयार किया गया है। इस प्रयोगशाला में टिशू कल्चर विधि से विभिन्न पौधे तैयार करने की विधियां विकसित की गई हैं, जहां लाभा 20 लाख उच्च गुणवत्ता, बीमारी रहित एवं आनुवाशिक रूप से एक जैसे पौधे प्रति वर्ष तैयार किए जा सकेंगे। इस प्रयोगशाला में गन्ना, केला, ब्रह्मी, एलोविरा, औषधीय पौधे एवं अन्य कृषि उपयोगी पौधे तैयार कर किसानों को उपलब्ध करवाया जाएगा।



2.5 एकड़ में फैली है लैब

बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. सुधीर शर्मा ने कहा कि यह प्रयोगशाला 2.5 एकड़ में फैली हुई है, जोकि तीन भागों में विभाजित है। पहला भाग प्रयोगशाला है, जोकि 6500 स्क्वेयर फीट में स्थिति है, जिसमें पौधे परखनालियों में प्रयोगशाला में नियंत्रित तापमान एवं प्रकाश के अंदर विकसित किए जाते हैं। दूसरा भाग ग्रीन हाउस है, जोकि 1041 स्क्वेयर फीट में बना हुआ है। ग्रीन हाउस में टिशू कल्चर विधि का इस्तेमाल कर 5 लाख पौधे को रखने की क्षमता होगी। तीसरा भाग नेट हाउस है, जो एक एकड़ में बना है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत सभा भाग	२५-१-२५	५	१-५

हरियाणा में सेंटर फार माइक्रोप्रोप्रोग्रेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की प्रयोगशाला का मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

हिसार, 24 जनवरी (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बायोटैकनोलॉजी महाविद्यालय में सेंटर फार माइक्रोप्रोप्रोग्रेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की अंतर्राष्ट्रीय स्तर की अत्याधुनिक प्रयोगशाला का उद्घाटन हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने वर्चुअल माध्यम से किया। विश्वविद्यालय में मुख्यातिथि के रूप में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा रहे व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अध्यक्षता की। हरियाणा के डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा सहित अन्य।

रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि इस विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रयोगशाला का स्थापित होना सोभाग्य की बात है और उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया। उन्होंने बताया कि इस प्रयोगशाला से किसानों को सीधे रूप से फायदा होगा, जहां से तैयार किए पौधे हरियाणा ही नहीं अपितु उत्तर भारत के किसानों को उपलब्ध करवाएं जा सकेंगे। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की प्रशंसन करते हुए कहा कि वे किसानों के हित में शोध कर कृषि क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि इस प्रयोगशाला



हरियाणा में सेंटर फार माइक्रोप्रोप्रोग्रेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की अंतर्राष्ट्रीय स्तर की अत्याधुनिक प्रयोगशाला का उद्घाटन करते मुख्यातिथि हरियाणा के डिप्टी स्पीकर का उद्घाटन करते मुख्यातिथि हरियाणा के डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा सहित अन्य।

का कृषि क्षेत्र में बहुत योगदान रहेगा। हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल जोकि किसानों की सेवा के लिए हमेशा से ही तत्पर रहते हैं। इसी दिशा में विश्वविद्यालय में माइक्रोप्रोप्रोग्रेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की अत्याधुनिक प्रयोगशाला स्थापित की गई है। उन्होंने बताया कि यह प्रयोगशाला लगभग 6 करोड़ रुपये में तैयार किया गया है। इस प्रयोगशाला में टिशू कल्चर विधि से विभिन्न पौधे तैयार करने की विधियां विकसित की गई हैं, जहां लगभग 20 लाख उच्च गुणवत्ता, बीमारी रहित एवं आनुवांशिक रूप से एक जैसे पौधे प्रति वर्ष तैयार किए जा सकेंगे।

उन्होंने बताया कि इस प्रयोगशाला में गत्रा, केला, ब्रह्मी, एलोविरा, औषधीय पौधे एवं अन्य कृषि उपयोगी पौधे तैयार कर किसानों को उपलब्ध करवाया जाएगा। भविष्य में भी हमारी कोशिश यह रहेगी कि हम ज्यादा से ज्यादा पौधे तैयार कर किसानों को उपलब्ध करवा सकें। बायोटैकनोलॉजी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. सुधीर शर्मा ने कहा कि यह प्रयोगशाला 2.5 एकड़ में फैली हुई है, जोकि तीन भागों में विभाजित है। पहला भाग प्रयोगशाला है, जोकि 6500 स्क्वेयर फीट में स्थापित है, जिसमें पौधे परखनलियों में प्रयोगशाला में नियंत्रित तापमान एवं प्रकाश के अंदर विकसित किए जाते हैं। दूसरा भाग ग्रीन हाउस है, जोकि 1041 स्क्वेयर फीट में बना हुआ है। जहां पर पौधों को नियंत्रित तापमान एवं आइटा में विकसित किया जाता है। इस ग्रीन हाउस में टिशू कल्चर विधि का इस्तेमाल कर 5 लाख पौधे को रखने की क्षमता होगी। उन्होंने बताया कि तीसरा भाग नेट हाउस है, जोकि एक एकड़ में बना हुआ है, जिसमें पौधों को रखकर किसानों को उपलब्ध करवाए जाएंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारीगण सहित इससे जुड़े समस्त महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, शिक्षक एवं गैर-शिक्षकगण भी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभूतजाता	२५-१-२५	५	१-५

एचएयू की लैब में उच्च गुणवत्ता के 20 लाख पौधे प्रति वर्ष होंगे तैयार

मुख्यमंत्री ने सेंटर फॉर माइक्रो प्रोपेगेशन एंड डबल हैप्लोइड उत्पादन की प्रयोगशाला का किया उद्घाटन

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय में सेंटर फॉर माइक्रो प्रोपेगेशन एंड डबल हैप्लोइड उत्पादन की अंतरराष्ट्रीय स्तर की अत्याधुनिक प्रयोगशाला का उद्घाटन बुधवार को मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने वर्चुअल माध्यम से किया। इस लैब में प्रति वर्ष उच्च गुणवत्ता के बीमारी रहित 20 लाख पौधे तैयार किए जाएंगे।

डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि विवि में अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रयोगशाला से किसानों को सीधे रूप से फायदा होगा। यहां तैयार किए पौधे प्रदेश ही नहीं अपितु उत्तर भारत के किसानों को उपलब्ध करवाएं जा सकेंगे। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि प्रयोगशाला को लगभग 6 करोड़ रुपये में तैयार किया गया है। इस प्रयोगशाला में टिश्यू कल्चर विधि से विभिन्न पौधे तैयार करने की विधियां विकसित की गई हैं, जहां लगभग 20 लाख उच्च गुणवत्ता, बीमारी रहित एवं आनुवांशिक रूप से एक जैसे पौधे प्रति वर्ष तैयार किए जा सकेंगे। प्रयोगशाला में गन्ना, केला, ब्रह्मी, एलोविरा, औषधीय पौधे एवं अन्य कृषि उपयोगी पौधे किसानों को उपलब्ध करवाया जाएगा।

बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. सुधीर शर्मा ने कहा कि यह प्रयोगशाला 2.5 एकड़ में बनी है। लैब तीन भागों में विभाजित है। पहला भाग प्रयोगशाला है, जिसमें 6500 स्क्वेयर फुट में स्थापित है। दूसरा भाग ग्रीन हाउस है। तीसरा भाग नेट हाउस है, जिसमें पौधों को रखकर किसानों को उपलब्ध करवाए जाएंगे।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब एवं सर्ही	२५-१-२५	३	३

हृकृषि में सेंटर फार माइक्रोप्रोप्रोशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की प्रयोगशाला का किया उद्घाटन

हिसार, 24 जनवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय में सेंटर फार माइक्रोप्रोप्रोशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की अंतर्राष्ट्रीय स्तर की अत्याधुनिक प्रयोगशाला का उद्घाटन हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने वर्चुअल माध्यम से किया। विश्वविद्यालय में मुख्यातिथि के रूप में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा रहे व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर.काम्बोज ने अध्यक्षता की।

हरियाणा के डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि इस प्रयोगशाला से किसानों की सीधे रूप से फायदा होगा, जहां से तैयार किए गौंथ हरियाणा ही नहीं अपितु उत्तर भारत के किसानों को उपलब्ध करवाएं जा सकेंगे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि इस प्रयोगशाला का कृषि क्षेत्र में बहुत योगदान रहेगा। इस प्रयोगशाला में टिशू कल्चर विधि से विभिन्न गौंथ तैयार करने की विधियाँ विकसित की गई हैं, जहां लगभग 20 लाख उच्च गुणवत्ता, बीमारी रहित एवं आनुवांशिक रूप से एक जैसे गौंथ प्रति वर्ष तैयार किए जा सकेंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	25.01.2024	--	--

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हक्की में प्रयोगशाला का किया उद्घाटन +

● इस प्रयोगशाला में उच्च गुणवत्ता के बीमारी रहित 20 लाख पौधे प्रति वर्ष किए जा सकेंगे तैयार

सवेरा न्यूज़/पुरोद्ध सोसी

हिसार, 24 जनवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बायोटेकनोलॉजी महाविद्यालय में सेंटर फार माइक्रोप्रोपेरेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की अंतर्राष्ट्रीय स्तर की अत्याधुनिक प्रयोगशाला जब उद्घाटन हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बच्चुअल माध्यम से किया। विश्वविद्यालय में मुख्यातिथि के रूप में हरियाणा विधानसभा के डिटी सीकर रणबीर सिंह गंगवा रहे व विश्वविद्यालय के कूलपति प्रो. वी.आर.काम्बोज ने अध्यक्षता की।

हरियाणा के डिटी सीकर रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि इस विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रयोगशाला का स्थापित होना सौभाग्य की बात है और उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया।

उन्होंने बताया कि इस प्रयोगशाला से किसानों को सीधे रूप से परदान होगा, जहां से तैयार किए पौधे हरियाणा ही



हक्की में सेंटर फार माइक्रोप्रोपेरेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की अंतर्राष्ट्रीय स्तर की अत्याधुनिक प्रयोगशाला का उद्घाटन करते मुख्यातिथि हरियाणा के डिटी सीकर रणबीर सिंह गंगवा सहित अन्य।

नहां अपितु उत्तर भारत के किसानों को जोकि किसानों की सेवा के लिए हमेशा जहां लगभग 20 लाख उच्च गुणवत्ता, उपलब्ध करवाए जा सकेंगे। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे किसानों के हित में शोध कर कृषि क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

कूलपति प्रो. वी.आर.काम्बोज ने कहा कि इस प्रयोगशाला का कृषि क्षेत्र में बहुत योगदान रहेगा। हरियाणा प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल

उपलब्ध करवा सके।

बायोटेकनोलॉजी महाविद्यालय के अध्यक्षता डॉ. सुधीर शर्मा ने कहा कि यह प्रयोगशाला 2.5 एकड़ में फैली हुई है, जोकि तीन भागों में विभाजित है। पहला भाग प्रयोगशाला है, जोकि 6500 स्कैवेचर फीट में स्थापित है, जिसमें पौधे परखनालियों में प्रयोगशाला में विशेषज्ञता वाला एवं प्रकाश के अंदर विकसित किए जाते हैं। दूसरा भाग ग्रीन हाउस है, जोकि 1041 स्कैवेचर फीट में बना हुआ है। जहां पर पौधों को विशेषज्ञता वाला एवं आद्रिता में विकसित किया जाता है। इस ग्रीन हाउस में टिशु कल्चर विधि का इस्तेमाल कर 5 लाख पौधे को रखने की क्षमता होगी। उन्होंने बताया कि तीसरा भाग नेट हाउस है, जोकि एक एकड़ में बना हुआ है, जिसमें पौधों को रखकर किसानों को उपलब्ध करवाए जाएंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारीगण सहित इससे जुड़े समस्त महाविद्यालयों के अधिकारी, निदेशक, विभागाध्यक्ष, शिक्षक एवं गैर-शिक्षकाण भी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	24.01.2024	--	--

हकृति में सेंटर फार माइक्रोप्रोपोगेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की प्रयोगशाला का किया उद्घाटन



सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय में सेंटर फार माइक्रोप्रोपोगेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की अंतर्राष्ट्रीय स्तर की अत्यधिक प्रयोगशाला का उद्घाटन मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बचुआल माध्यम से किया। मुख्यातिथि के रूप में हरियाणा विधान सभा के डिप्टी स्पीकर रणवीर सिंह गंगवा रहे व कुलपति प्रो. बी.आर.काम्बोज ने अध्यक्षता की। कुलपति ने कहा कि इस प्रयोगशाला का कृषि क्षेत्र में बहुत योगदान रहेगा। उन्होंने बताया कि यह प्रयोगशाला लगभग 6 करोड़ रुपये में तैयार किया गया है। इस प्रयोगशाला में टिशू कल्चर विधि से विभिन्न पौधे तैयार करने की विधियां विकसित की गई हैं, जहां लगभग 20 लाख उच्च गुणवत्ता, बीमारी रहित एवं आनुवांशिक रूप से एक जैसे पौधे

प्रति वर्ष तैयार किए जा सकेंगे। उन्होंने बताया कि इस प्रयोगशाला में गन्ना, केला, ब्रह्मी, एलोविरा, औषधीय पौधे एवं अन्य कृषि उपयोगी पौधे तैयार कर किसानों को उपलब्ध करवाया जाएगा। बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. सुधीर शर्मा ने कहा कि यह प्रयोगशाला 2.5 एकड़ में फैली हुई है, जोकि तीन भागों में विभाजित है। पहला भाग प्रयोगशाला है, जोकि 6500 स्कवेयर फीट में स्थापित है, जिसमें पौधे परखनलियों में प्रयोगशाला में नियंत्रित तापमान एवं प्रकाश के अंदर विकसित किए जाते हैं। दूसरा भाग ग्रीन हाउस है, जोकि 1041 स्कवेयर फीट में बना हुआ है। जहां पर पौधों को नियंत्रित तापमान एवं आदेता में विकसित किया जाता है। इस ग्रीन हाउस में टिशू कल्चर विधि का इस्तेमाल कर 5 लाख पौध को रखने की क्षमता होगी।



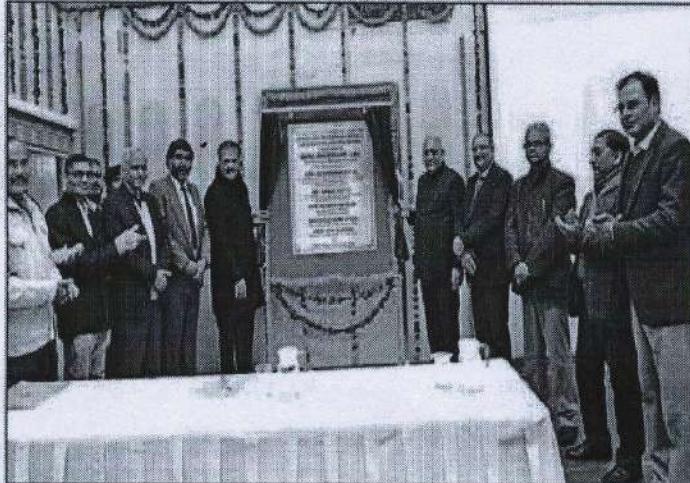
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	24.01.2024	--	--

हकूमिं में सेंटर फार माइक्रोप्रोप्रोग्रेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की प्रयोगशाला का मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 24 जनवरी। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय में सेंटर फार माइक्रोप्रोग्रेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की अंतर्राष्ट्रीय स्तर की अत्यधिक प्रयोगशाला का उद्घाटन हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लालने वर्चुअल माध्यम से किया। विश्वविद्यालय में मुख्यालिय के रूप में हरियाणा विधानसभा के डिस्ट्री स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा रहे व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर.काम्बोज ने अध्यक्षता की। हरियाणा के डिस्ट्री स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि इस विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रयोगशाला का स्थापित होना सीधारा की बात है और उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया। उन्होंने बताया कि



इस प्रयोगशाला से किसानों की सीधे रूप से फायदा होगा, जहाँ से तैयार किए गए हरियाणा ही नहीं अपितु उत्तर भारत के किसानों को उपलब्ध करावाएं जा सकेंगे। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की

प्रयोगशाला का कृषि क्षेत्र में बहुत योगदान रहेगा। तैयार किया गया है। इस प्रयोगशाला में टिशु कल्चर हरियाणा प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर विधि से विभिन्न सीधे तैयार करने की विधियां लाल जौकि किसानों की सेवा के लिए हमेशा से ही विकसित की गई हैं, जहाँ लगभग 20 लाख उच्च तरब तपर रहते हैं। इसी दिशा में विश्वविद्यालय में गुणवत्ता, बीमारी दृष्टि एवं आनुवाचिक रूप से एक माइक्रोप्रोग्रेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन को जैसे सीधे प्रति वर्ष तैयार किए जा सकेंगे। उन्होंने अत्यधिक प्रयोगशाला स्थापित की गई है। उन्होंने बताया कि इस प्रयोगशाला में गता, केला, ब्रह्मी, समस्त महाविद्यालयों के अधिकारीगण महिल इससे जुड़े विभागाध्यक्ष, शिक्षक एवं गैर-विशेषज्ञ भी उपस्थित रहें।

पैदे तैयार कर किसानों को उपलब्ध करवाया जाएगा। भविष्य में भी हमारी कोशिश यह रहेगी कि हम ज्यादा से ज्यादा पैदे तैयार कर किसानों को उपलब्ध करवा सकें। बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. सुर्धीर शर्मा ने कहा कि यह प्रयोगशाला 2.5 एकड़ में फैली हुई है, जोकि तीन भागों में विभाजित है। पहला भाग प्रयोगशाला है, जोकि 6500 स्क्वेयर फॉट में स्थापित है, जिसमें पैदे परखानीयों में प्रयोगशाला में नियंत्रित तापमान एवं प्रकाश के अंदर विकसित किए जाते हैं। दूसरा भाग ग्रीन हाउस है, जोकि 1041 स्क्वेयर फॉट में बना हुआ है। जहाँ पर पैदों को नियंत्रित तापमान एवं आइटा में विकसित किया जाता है। इस ग्रीन हाउस में टिशु कल्चर विधि का इस्तेमाल कर 5 लाख पैदे को रखने की क्षमता होगी। उन्होंने बताया कि तीसरा भाग नेट हाउस है, जोकि एक एकड़ में बना हुआ है, जिसमें पैदों को रखकर किसानों को उपलब्ध करवाए जाएंगे। इस अवधार पर विश्वविद्यालय के अधिकारीगण महिल इससे जुड़े विभागाध्यक्ष, शिक्षक एवं गैर-विशेषज्ञ भी उपस्थित रहें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	24.01.2024	--	--

हकूम में सेंटर फार माइक्रोप्रोपोगेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की प्रयोगशाला का मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

हिसार (चिराग टाइम्स)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय में सेंटर फार माइक्रोप्रोपोगेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की अत्यधिक प्रयोगशाला का उद्घाटन हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने वर्षुअल माध्यम से किया। विश्वविद्यालय में मुख्यातिथि के रूप में हरियाणा विधानसभा के हिन्दी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा रहे व विश्वविद्यालय के कूलपति प्रो. बी.आर.काम्बोज ने अध्यक्षता की।

हरियाणा के हिन्दी स्पीकर रणबीर

सिंह गंगवा ने कहा कि इस विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रयोगशाला का स्थापित होना सीधा योगदान रहेगा। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया। उन्होंने बताया कि इस प्रयोगशाला से किसानों को सीधे रूप से फायदा होगा, जहां से तैयार किए पौधे हरियाणा ही नहीं अपितु उत्तर भारत के किसानों को उपलब्ध करवाएं जा सकेंगे। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे किसानों के हित में शोध कर कृषि क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कुलपति प्रो. बी.आर.काम्बोज ने

कहा कि इस प्रयोगशाला का कृषि क्षेत्र में बहुत योगदान रहेगा। हरियाणा प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जोकि किसानों की सेवा के लिए हमेशा से ही तत्पर रहते हैं। इसी दिशा में विश्वविद्यालय में माइक्रोप्रोपोगेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की अत्यधिक प्रयोगशाला स्थापित की गई है। उन्होंने बताया कि यह प्रयोगशाला लगभग 6 करोड़ रुपये में तैयार किया गया है। इस प्रयोगशाला में टिशू कल्नर विधि से विभिन्न पौधे तैयार करने की विधियाँ विकसित की गई हैं, जहां लगभग 20 लाख उच्च गुणवत्ता, बीमारी रहित एवं आनुवांशिक

रूप से एक जैसे पौधे प्रति वर्ष तैयार किए जा सकेंगे। उन्होंने बताया कि इस प्रयोगशाला में गन्ना, केला, बासी, एलोचिया, औषधीय पौधे एवं अन्य कृषि उपयोगी पौधे तैयार कर किसानों को उपलब्ध करवाया जाएगा। भविष्य में भी हमारी कोशिश यह रहेगी कि हम ज्यादा से ज्यादा पौधे तैयार कर किसानों को उपलब्ध करवा सकें। बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. सुधीर शर्मा ने कहा कि यह प्रयोगशाला 2.5 एकड़ में फैली हुई है, जोकि तीन भागों में विभाजित है। पहला भाग प्रयोगशाला है,



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	24.01.2024	--	--

प्रयोगशाला में उच्च गुणवत्ता के बीमारी रहित 20 लाख पौधे प्रति वर्ष किए जा सकेंगे तैयार

हकूमि में सेंटर फार माइक्रोप्रोपोशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की प्रयोगशाला का उद्घाटन

प्राप्ति की विवरण

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय में सेंटर फार माइक्रोप्रोपोशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की अंतर्राष्ट्रीय स्तर की अन्तर्राष्ट्रीय प्रयोगशाला का उत्पादन हरियाणा के मुख्यमंत्री भगवान लाल ने बचावल योग्य से नियम विश्वविद्यालय में प्राप्ति की रूप में हरियाणा विकासभा के डिटी सीका लालीर मिशन गंगवा ले विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौ. वी.आर.कामोज ने अध्यक्षता की।

हरियाणा के डिटी सीका लालीर मिशन गंगवा ने कहा कि इस विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रयोगशाला का स्थापित होने सीधारा की जात है और उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि इस प्रयोगशाला से विद्यार्थी को सीधे रूप से पहचान होता, जहाँ से तेजार विद्युत विधि हरियाणा ही नहीं अंतर्राष्ट्रीय उत्तर भारत के



प्रयोगशाला स्थापित की गई है। प्रयोगशाला 2.5 एकड़ में फैली हुई है, जोकि उन्होंने बताया कि यह प्रयोगशाला तीन भागों में विभाजित है। पहला भाग लापाग 6 कोड्ड रूपये में तैजार विद्युत गति है। इस प्रयोगशाला में स्थापित है, जिसमें पौधे प्राचुर्यनिलिंग में प्रयोगशाला में निर्बंधित तापमान एवं प्रसाधन के पौधे तैजार करने की विधियां अंदर विकसित किए जाते हैं। दूसरा भाग प्रीन लड्डस है, जोकि 1041 एक्वेर पैट में बना 20 लाख उच्च गुणवत्ता बीमारी विकासित एवं आनुवंशिक रूप से एं आंकड़ों में विकसित विद्युत जाता है। इस एक जैसे पौधे प्रीन वर्ष तैजार किए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रयोगशाला में गत, केला, बाजी, फलोंविता, औषधीय पौधे एवं अन्य कुपी उपचोरी पौधे को रखने की ज्ञाना होगी। उन्होंने बताया कि तीसरा भाग नेट हाउस है, जोकि एक एकड़ में बना हुआ है, जिसमें पौधों को रखकर विद्यार्थी को उपलब्ध करवाएं जाएंगे।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारी शहिन इसमें जुड़े सम्पन्न महाविद्यालयों के अधिकारी, निदेशक, विदेशी विद्यार्थी एवं गैर-विद्यकाग्र भी उपस्थित होंगे।

कुलपति प्रौ. वी.आर.कामोज ने कहा कि उत्तर हेपलोड उत्पादन की अंतर्राष्ट्रीय अधिकारी डॉ. सुशीर शर्मा ने कहा कि यह उपरिकृत है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्तु	२५-१-२५	५	१-५

बेल वाली फसलों की पैदावार के बाद मई के अंत में खेत खाली कर उगा सकते हैं सज्जियां फरवरी के अंतिम सप्ताह में करें तरबूज की चाल्सटन ग्रे, शुगर बेबी व खरबूजे की हरा मधु किस्म की रोपाई

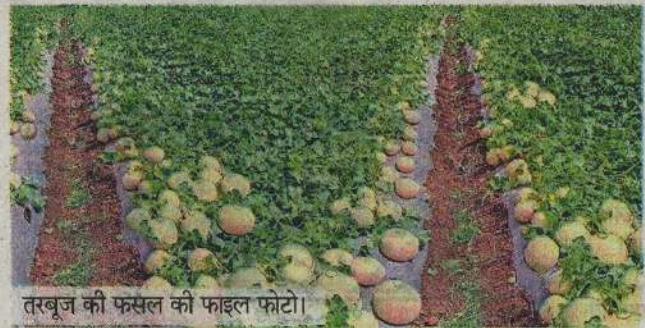
यशपाल सिंह | हिसार

तरबूज व खरबूजे की अगेती फसल लेने के लिए इन बेलवाली फसलों की प्लास्टिक प्रोट्रे विधि से पैथे तैयार कर फरवरी के अंतिम सप्ताह में रोपाई कर दें। तरबूज की किस्में चाल्सटन ग्रे या शुगर बेबी तथा खरबूजे की किस्में हरा मधु या पंजाब सुनहरी प्रयोग में लाएं।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि फरवरी में बिजाई के बाद तरबूज और खरबूजा दोनों ही फसलें 45 से 50 दिन में फूल देने लगती हैं। इसके 40 से 50 दिन बाद फल पककर तैयार हो जाते हैं। जब फल पक जाएं किसान फसल में पानी न लगाएं, ऐसा करने से फल की मिठास कम हो सकती है। इन दोनों फसलों के लिए अधिकतम तापमान 20 से 25 डिग्री सेल्सियस रहना चाहिए। खरबूजे की फसल प्रति एकड़ और सतन 30 से 40 किवंटल की पैदावार देती है, जबकि तरबूज 60 किवंटल तक प्रति एकड़ पैदावार हो जाती है। इस तरह दोनों फसलों से किसान प्रति एकड़ 1 से 1.25 लाख रुपए प्रति एकड़ पैदावार ले सकते हैं। दोनों फसलें मई तक पैदावार देती हैं। मई के आखिरी में खेत को खाली करके भिंडी, घीया, पेटा और तोरी आदि की फसलें ली जा सकती हैं।

इस तरह से करें खेत तैयार और बिजाई

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सज्जी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सुरेश तेहलान ने बताया कि तरबूज के लिए बीज की मात्रा लगभग 1.5 से 2 किलोग्राम प्रति एकड़ और खरबूजे की एक किलोग्राम प्रति एकड़ है। खेत तैयार करते समय 4 से 6 टन गोबर की खाद, 12 किलोग्राम फॉस्फोरस, 20 किलोग्राम नाइट्रोजन और 10 किलोग्राम पोटाश की शुद्ध मात्रा या लगभग 30 किलोग्राम डीएपी, 25 किलोग्राम यूरिया को 16 किलोग्राम न्यूरोटोपोटाश की मात्रा उपयुक्त रहती है। फॉस्फोरस व पोटाश की पूरी मात्रा बिजाई के समय और नाइट्रोजन खाद की आधी मात्रा इसके साथ डाल दें।



शेष बची हुई आधी नाइट्रोजन की मात्रा फूल बनने व फल लगने की अवस्था में डालें। खरबूजे की बिजाई 2.5 मीटर चौड़ी डोल में किनारों पर 60 सेंटीमीटर के फासले पर करें। खरबूजे की बिजाई के लिए शुगर

बेबी किस्म के लिए 3 मीटर और चाल्सटन ग्रे के लिए 4 मीटर चौड़ी क्यारियां बनाएं तथा क्यारियों के दोनों ओर 60 सेंटीमीटर की दूरी पर बीज बोएं। खेत में नमी का भी ध्यान रखा जाना चाहिए।

पपीते के पौधों पर लगाए छप्परों को फरवरी के दूसरे सप्ताह में हटा दें

पपीता की फसल के नए पौधों को सदी से बचाने के लिए बनाए गए छप्परों को फरवरी के दूसरे सप्ताह में हटा दें। पौधों में प्रति पेड़ आधा किलोग्राम मिश्रित खाद जिसमें अमोनियम सल्फेट, सिंगल सुपर फॉस्फेट व पोटाशियम सल्फेट 2 : 4 : 1 के अनुपात में डालें। सिंचाई 8-10 दिन के अंतर पर करते रहें। इसके अतिरिक्त 20 किलोग्राम गोबर की खाद प्रति पौधा अवश्य डालें। खाद को तने से 35-40 सेंटीमीटर की दूरी पर चारों ओर डालें।